HUMAN RIGHTS DAY 2014
#RIGHTS365

मानवाधिकार दिवस

10 दिसंबर 2014

मानवाधिकार 365
हर वर्ष 10 दिसंबर को मानवाधिकार दिवस उस तिथि की याद में मनाया जाता है जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा का अनुमोदन किया था और उसके सिद्धांतों को "ऐसे मानक घोषित किया था जिन्हें सभी व्यक्तियों और देशों को हासिल करना है।"

इस वर्ष के नारे **मानवाधिकार 365** में यह सोच शामिल है कि हर दिन मानवाधिकार दिवस है। यह सार्वभौम घोषणा की इस बुनियादी सोच का प्रतीक है कि हम में से हर व्यक्ति को हर जगह, हर समय सभी मानवाधिकारों को हासिल करने का अधिकार है, मानवाधिकार हम में से हर एक के हैं और हमें ऐसे वैश्विक समुदाय में बांधते हैं जिसके आदर्श और मूल्य एक समान हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की मून का संदेश

मानवाधिकार दिवस पर हम अपनी आवाज उठाते हैं। उन अधिकारियों की भर्त्सना करते हैं जो किसी व्यक्ति या समूह को अधिकारों से वंचित करते हैं।

हम घोषणा करते हैं कि मानवाधिकार हम सबके लिए, हर परिस्थिति में हैं, चाहे हम कोई भी हों और कहीं से भी आए हों, हमारा वर्ग, हमारी राय या हमारी सैक्स पहचान कुछ भी हो।

यह व्यक्तिगत न्याय, सामाजिक स्थितरता और वैश्विक प्रगति का मुद्दा है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकारों का संरक्षक है क्योंकि वे हमारा गौरवशाली मिशन हैं और क्योंकि जब लोगों को उनके अधिकार मिलते हैं, अर्थव्यवस्थाएं पनपती हैं और देशों में शांति रहती है।

मानवाधिकारों का उल्लंघन व्यक्तिगत त्रासदी से कहीं अधिक है। खतरे की ये घंटियां कहीं बड़े संकट की चेतावनी हो सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र की *ह्यूमन राइट्स अप फ्रंट* पहल का उद्देश्य इन खतरे की घंटियों को सुनना है। हम उल्लंघनों पर कार्रवाई के लिए एकजुट हो रहे हैं ताकि वे व्यापक अत्याचार या युद्ध अपराधों का रूप न ले सकें। अन्याय, असहनशीलता और उग्रवाद से संघर्ष को हर कोई आगे बढ़ा सकता है।

मैं देशों की सरकारों से आग्रह करता हूं कि वे वर्ष में हर दिन मानवाधिकारों को संरक्षण देने का अपना दायित्व निभाएं। मैं लोगों से आग्रह करता हूं कि वे अपनी सरकारों से जवाब मांगे और मैं मानवाधिकार संरक्षकों के लिए विशेष संरक्षण का आग्रह करता हूं जो हमारे सामूहिक हित में साहस के साथ संघर्ष करते हैं। आइए हम शोषितों की पुकार सुनें और सबके लिए मानवीय गरिमा के अधिकार को संरक्षण दें।